Title: Need to declare broad-gauge railway line between Jabalpur-Patan Lalitpur-Jhansi.

श्री रामनरेश त्रिपाठी (सिवनी) : सभापति जी, पांचवीं पंचवर्षीय योजना में मध्य प्रदेश ने २९ नई रेल लाइनों के निर्माण की सिफारिश केन्द्र से की थी। जिसमें जबलपुर, पाटन, दमोह, टीकमगढ़, ललितपुर, झांसी (नया ब्रॉडगेज) रेल मार्ग शामिल है। यह रेल मार्ग जबलपुर से सीधा दिल्ली को जोड़ता है तथा दूरी भी काफी कम करता है। वर्तमान में जबलपुर झांसी दिल्ली जो रेलमार्ग जाता है उसमें जबलपुर से झांसी को जोड़ने वाले रेल मार्ग की दूरी ही लगभग ५०० कि.मी. से अधिक है। यह मार्ग कटनी, दमोह, बीना पर से लम्बा चक्कर लगाता हुआ झांसी पहुंचता है। इसके स्थान पर यदि जबलपुर से पाटन, तेंदूखेड़ा, दमोह, बाटियागढ़, शाहगढ़, टीकमगढ़, झांसी रेलमार्ग निर्मित किया जाये, तब आधे समय तथा आधी दूरी की बचत होगी। साथ ही जबलपुर से दिल्ली के लिये सीधी ट्रेन भी चल सकेगी। जिसे बाद में गोंदिया तक भी बढ़ाकर महाराष्ट्र से जोड़ा जा सकता है। महोदय, जबलपुर शहर भारत वर्ष का केन्द्र बिंदू है। जबलपुर देश में सबसे बड़ा शैक्षणिक केन्द्र भी है। यहां पर सुरक्षा संबंधी अनेक कल कारखाने भी हैं। जबलपुर और दिल्ली का चोली दामन का साथ है। जबलपुर में पवित्र नर्मदा नदी भी बहती है जिसके किनारे विश्व प्रसिद्ध मार्बल रोक्स नाम की पहाड़ियां हैं जो दुनिया का सबसे सुन्दरतम चमत्कार है जिन्हें विदेशी पर्यटक देखना चाहते हैं। परन्तु रेलों की व्यवस्था ठीक न होने के कारण देख नहीं पाते। प्रस्तावित रेल मार्ग से दिल्ली से जबलपुर तो सीधा जुड़ेगा ही, साथ ही दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ जैसे रेलमार्ग विहीन जिले रेल मार्ग से जुड़ जायेंगे। रेल मंत्री से अनुरोध है कि इस प्रस्तावित रेल मार्ग का शीघ्र सर्वे कराकर कार्य कराने का कष्ट करें।

1426 hrs

(At this stage, Shri Kodikunnil Suresh and Sardar Buta Singh came

and stood on the floor near the Table.)

MR. CHAIRMAN : The rest of the matters under Rule 377 listed for the day may be treated as laid on the Table of the House.

... (Interruptions)